स्टैटिक GK · Static GK

मौर्य और गुप्त साम्राज्य: प्रमुख शासक, प्रशासनिक ढांचा और महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्य

प्राचीन भारत के दो महान साम्राज्यों—मौर्य और गुप्त काल के प्रमुख शासकों, प्रशासनिक प्रणालियों, प्रमुख अभिलेखों एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों का संपूर्ण परीक्षा-उपयोगी अध्ययन।

स्टैटिक GK · Static GK

1. मौर्य साम्राज्य: अखंड भारत की नींव

- चंद्रगुप्त मौर्य ने कौटिल्य की मदद से 322 ई.पू. में साम्राज्य स्थापित किया
- सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध (261 ई.पू.) के बाद धम्म विजय की नीति अपनाई
- अत्यंत सुव्यवस्थित व केंद्रीकृत नौकरशाही (तीर्थ व अध्यक्ष व्यवस्था)

स्टैटिक GK · Static GK

2. गुप्त काल: कला व विज्ञान का स्वर्ण युग

- समुद्रगुप्त को सैन्य विजयों के कारण 'भारत का नेपोलियन' कहा गया
- चंद्रगुप्त विक्रमादित्य के नवरत्न (कालिदास, वराहमिहिर) विख्यात हुए
- कुमारगुप्त ने नालंदा की स्थापना की, स्कंदगुप्त ने हूणों को खदेड़ा

स्टैटिक GK · Static GK

3. प्रशासनिक व वैचारिक तुलना

- मौर्य काल केंद्रीकृत था, जबकि गुप्त काल में सामंतवादी विकेंद्रीकरण बढ़ा
- मौर्य काल में प्राकृत व बौद्ध धर्म को प्रश्रय मिला
- गुप्त काल में संस्कृत भाषा तथा भागवत/वैष्णव धर्म का पुनरुत्थान हुआ

परीक्षा के लिए तथ्य · Facts for Exams

याद रखें

Remember

मौर्य साम्राज्य संस्थापक	चंद्रगुप्त मौर्य (322 ई.पू.)
गुप्त वंश संस्थापक व वास्तविक संस्थापक	श्रीगुप्त (संस्थापक), चंद्रगुप्त प्रथम (वास्तविक संस्थापक)
अशोक के अभिलेख पढ़ने वाला प्रथम व्यक्ति	जेम्स प्रिंसेप (1837 ई.)
भारत का नेपोलियन उपाधि प्राप्त शासक	समुद्रगुप्त (वी. ए. स्मिथ द्वारा प्रदत्त)
सती प्रथा का प्रथम अभिलेखीय साक्ष्य	एरण अभिलेख (510 ई., भानुगुप्त काल)
नालंदा विश्वविद्यालय के संस्थापक	कुमारगुप्त प्रथम (महेंद्रादित्य)

अभ्यास प्रश्न · Practice MCQ

कौटिल्य के अर्थशास्त्र के अनुसार मौर्य काल में राजकीय कृषि भूमि के प्रबंधन एवं देखरेख का कार्य किस अधिकारी द्वारा किया जाता था?

A सीताध्यक्ष

B समाहर्ता

C सन्निधाता

D पौत्वाध्यक्ष

उत्तर / Answer: A — मौर्य काल में सरकारी या राजकीय कृषि भूमि को 'सीता' कहा जाता था और इसके अध्यक्ष को 'सीताध्यक्ष' कहा जाता था।

अभ्यास प्रश्न · Practice MCQ

प्रसिद्ध प्रयाग प्रशस्ति अभिलेख के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?

A यह चंद्रगुप्त मौर्य की उपलब्धियों का वर्णन करता है

B इसकी रचना समुद्रगुप्त के दरबारी कवि हरिषेण ने चंपू काव्य शैली में की थी

C यह केवल प्राकृत भाषा में उत्कीर्ण है

D इसमें कलिंग युद्ध का विशद विवरण मिलता है

उत्तर / Answer: B — प्रयाग प्रशस्ति समुद्रगुप्त के दरबारी कवि हरिषेण द्वारा विशुद्ध संस्कृत की चंपू शैली (गद्य-पद्य मिश्रित) में रचित है।

पूरा लेख, PDF और रोज़ के अपडेट

Full article, PDF & daily updates

हिंदी और English दोनों में पढ़ें

aajkagk.com

पेज को **Follow** करें और **Share** करें

Follow the page & share with friends